

भारत सरकार  
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय  
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 176  
18.07.2022 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम

176. श्री विष्णु दयाल राम:

श्री जी. सेल्वम:

श्री धनुष एम. कुमार:

श्रीमती मंजुलता मंडल:

डॉ. पोन गौतम सिगामणि:

श्री सी.एन. अन्नादुरई:

श्री गजानन कीर्तिकर:

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार देश में कई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के बाद भी वायु गुणवत्ता में सुधार करने में विफल रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (ख) राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) का उद्देश्य और कार्य-क्षेत्र क्या है और साथ ही उन शहरों की संख्या कितनी है जिनमें प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए उक्त कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है और उक्त कार्यक्रम की आरंभ से प्राप्त की गई उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या उक्त कार्यक्रम के तहत और शहरों को शामिल करने की मांग की गई और यदि हां, तो उस पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार ने एनसीएपी के कार्यनिष्पादन की निगरानी और मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो मूल्यांकन के परिणाम क्या हैं;
- (ङ.) क्या सरकार ने उस उद्देश्य को प्राप्त कर लिया है जिसके लिए एनसीएपी शुरू किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं;
- (च) क्या उक्त कार्यक्रम से कोई अंतरराष्ट्रीय संगठन भी जुड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (छ) क्या एनसीएपी के समुचित संचालन के लिए कोई संचालन समिति भी गठित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री

(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) से (छ) राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) को पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) द्वारा जनवरी 2019 में देश भर में एक व्यापक तरीके से वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए एक

दीर्घकालिक, समयबद्ध, राष्ट्रीय स्तर की कार्यनीति के रूप में शुरू किया गया था। एनसीएपी का उद्देश्य वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और उपशमन के लिए व्यापक उपशमन कार्रवाई करना है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए सरकार द्वारा किए गए उपाय **अनुबंध-I** में हैं।

एनसीएपीके तहत, देश भर में 2024 तक विवक्त कण (पार्टिकुलेट मैटर) की सांद्रता में 20 से 30% की कमी के लक्ष्य को प्राप्त करना परिकल्पित है। एनसीएपी को देश के 132 शहरों में लागू किया गया है।

वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2021-22 में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुरूप 20 शहरों सहित 95 शहरों में विवक्त कण 10 (पीएम 10) की सघनता में समग्र सुधार हुआ है। विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

एनसीएपी, मानकों को प्राप्त न करने वाले उन शहरों (एनएसीएस) को शामिल करता है, जिनमें राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) का लगातार 5 वर्षों तक उल्लंघन हुआ है। एनसीएपी के तहत, एनएसी के रूप में पहचाने गए 124 शहरों, और पंद्रहवें वित्त आयोग - मिलियन प्लस सिटीज चैलेंज फंड में दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले 8 अन्य शहरों को शामिल किया गया है।

एनसीएपी के तहत, अंतरराष्ट्रीय संगठनों को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए लगाया गया है। उन शहरों, जिनमें एनसीएपी के तहत तकनीकी सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन कार्यरत हैं, का ब्यौरा **अनुबंध-III** में दिया गया है।

एनसीएपी के तहत शीर्ष समिति, संचालन समिति, निगरानी समिति और केंद्रीय स्तर पर कार्यान्वयन समिति का गठन एनसीएपी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए किया गया है। साथ ही कार्य योजनाओं की निगरानी के लिए राज्य स्तर पर संचालन समिति और कार्यान्वयन समिति और शहर स्तर पर कार्यान्वयन और निगरानी समिति का गठन किया गया है।

\*\*\*\*\*

### वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार द्वारा किए गए उपाय

#### वाहनीय उत्सर्जन

- एनसीटी दिल्ली में 1 अप्रैल, 2018 से और देश के शेष हिस्सों में 1 अप्रैल, 2020 से बीएस-IV से बीएस-VI ईंधन मानक अपनाना।
- अप्रैल, 2020 से पूरे देश में बीएस-VI मानकों का अनुपालन करने वाले वाहनों की शुरुआत करना।
- ईंधन की खपत और प्रदूषण कम करने के लिए एक्सप्रेस-वे और राजमार्गों का विकास।
- दिल्ली से गैर लक्षित ट्रेफिक मार्ग परिवर्तन के लिए पूर्वी पेरिफेरल एक्सप्रेस वे और पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे का प्रचालन शुरू किया गया है।
- दिल्ली एनसीआर में 2000 सीसी और उसे अधिक की इंजन क्षमता वाले डीजल चालित वाहनों पर पर्यावरण सुरक्षा प्रभार (ईपीसी) लागू किया गया है।
- सीएनजी, एलपीजी, पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण जैसे स्वच्छतर/वैकल्पिक ईंधन की शुरुआत करना।
- सड़कों पर भीड़-भाड़ को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और सड़कों में सुधार करना व ज्यादा पुलों का निर्माण करना।
- जन परिवहन के लिए मेट्रो रेल के नेटवर्क में वृद्धि की गई है और अधिक शहरों को शामिल किया गया है।
- दिल्ली और समीपवर्ती क्षेत्रों में 10 वर्ष पुराने डीजल चालित और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल चालित वाहनों पर प्रतिबंध।
- इलेक्ट्रिक वाहनों का त्वरित अंगीकरण और विनिर्माण (फेम)-2 स्कीम की शुरुआत की गई है।
- इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए परमिट आवश्यकता पर छूट दी गई है।
- सड़कों पर भीड़-भाड़ को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और सड़कों में सुधार करना व ज्यादा पुलों का निर्माण करना।

#### औद्योगिक उत्सर्जन

- एनसीआर में पेट कोक और फर्नेस ऑयल के उपयोग पर प्रतिबंध, सीमेंट संयंत्रों, चूना भट्टियों और कैल्शियम कार्बाइड निर्माण इकाइयों में प्रक्रियाओं में पेट कोक का उपयोग।
- कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों (टीपीपी) के लिए कड़े उत्सर्जन मानक जारी करना।
- दिल्ली में औद्योगिक इकाइयों का पीएनजी/स्वच्छतर ईंधन अपनाना।
- अत्यधिक प्रदूषण उत्पन्न कर रहे उद्योगों में ऑन लाइन सतत निगरानी उपकरणों की संस्थापना।
- दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण में कमी करने के लिए ईंट भट्टों को मिश्रित प्रौद्योगिकी में परिवर्तित करना।

#### धूलकण और कचरे को जलाने के कारण उत्पन्न वायु प्रदूषण

- ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, ई-अपशिष्ट, जैव-चिकित्सा, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट और खतरनाक अपशिष्ट को शामिल करते हुए 6 अपशिष्ट प्रबंधन नियमों की अधिसूचना जारी की गई है।
- अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र जैसी अवसंरचनाओं की स्थापना करना।
- प्लास्टिक और ई-अपशिष्ट प्रबंधन हेतु विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर)
- बायोमास/कचरे के जलाने पर प्रतिबंध लगाना।

#### परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी

- राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम (एनएएमपी) जैसे कार्यक्रमों के तहत हस्तचालित स्टेशनों के साथ-साथ सतत निगरानी स्टेशनों का वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क का विस्तार
- कम लागत के सेंसरों और उपग्रह आधारित निगरानी जैसे वैकल्पिक परिवेशी निगरानी प्रौद्योगिकियों का आकलन करने के लिए प्रायोगिक परियोजना की शुरुआत।

### **एनसीएपी के कार्यान्वयन की निगरानी**

- सरकार ने भारत में शहर और क्षेत्रीय पैमाने पर वायु प्रदूषण के स्तरों को कम करने के लिए कार्यों की रूपरेखा तैयार करते हुए राष्ट्रीय स्तर की कार्यनीति के रूप में एनसीएपी को शुरू किया है। 132 एनएसी और एमपीसी में कार्यान्वयन के लिए शहर विशिष्ट वायु कार्य योजनाएं शुरू की गई हैं।
- एनसीएपी के तहत 82 गैर अवमानक वायु गुणवत्ता वाले शहरों को क्रिटिकल गैप फंडिंग के लिए सहायता प्रदान करने के लिए 472.06 करोड़ रु. मंजूर किए गए हैं। एनसीएपी संचालन दिशानिर्देशों के अनुसार शहरों के कार्य निष्पादन के आधार पर निधियों का वितरण किया जाता है।
- इसके अलावा, 15वें वित्त आयोग (XV-एफसी) ने दस लाख आबादी से अधिक वाले 42 शहरों/शहरी समुदायों को 4,400 करोड़ रु. का विशेष अनुदान प्रदान किया है, जिसमें वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 50 गैर अवमानक वाले शहर शामिल हैं।
- मिलियन प्लस सिटी चैलेंज फंड (एमपीसीसीएफ) के तहत 10 लाख से अधिक आबादी वाले 42 शहरों/शहरी समुदायों के वायु गुणवत्ता में सुधार करने के लिए वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2025-26 के लिए 12,139 करोड़ की कार्य निष्पादन पर आधारित प्रोत्साहन अनुदान आबंटित किया गया है। एमओईएफसीसी परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए नोडल एजेंसी है और 10 लाख से अधिक आबादी वाले 42 शहरों को अनुदान देने के लिए डीओई को सिफारिश करती है।
- वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 42 एमपीसी के लिए डीओई द्वारा 42 शहरों/यूए को एमओईएफ एंड सीसी द्वारा किए गए उनके कार्य निष्पादन मूल्यांकन के आधार पर 2025 करोड़ रु. जारी किए गए हैं।
- शहर विशिष्ट कार्य योजनाओं की नियमित रूप से समितियों द्वारा निगरानी की जाती है। केन्द्रीय स्तर पर; शीर्ष, संचालन समिति, निगरानी और कार्यान्वयन समितियां; राज्य में: संचालन, कार्यान्वयन समिति और शहरी स्तर पर कार्यान्वयन और निगरानी समिति।
- दिल्ली, कानपुर और लखनऊ के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का कार्यान्वयन। यह प्रणाली समय पर कार्रवाई करने के लिए चेतावनी जारी करती है।
- दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दों के संबंध में जन शिकायतें 'समीर एप्प', 'ईमेल' ([Aircpmlaints.cpcb@gov.in](mailto:Aircpmlaints.cpcb@gov.in)) और 'सोशल मीडिया नेटवर्कस्' (फेसबुक और ट्विटर) के माध्यम से की जाती है।
- एनसीएपी के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए एक पोर्टल, प्राण की शुरुआत की गई है।

अनुबंध-II

राज्य	क्र.सं.	शहर	पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), सीवाई; मैनुअल डेटा; 132 शहर (2017)	पीएम10 की औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), एफवाई; एकीकृत डेटा; 132 शहर (2021-2022)
आंध्र प्रदेश	1	अनंतपुर	78	52
आंध्र प्रदेश	2	चित्तूर	69	49
आंध्र प्रदेश	3	एलुरु	74	65
आंध्र प्रदेश	4	गुटूर	69	58
आंध्र प्रदेश	5	कडपा	74	54
आंध्र प्रदेश	6	कुरनूल	82	61
आंध्र प्रदेश	7	नेल्लोर	65	55
आंध्र प्रदेश	8	ओंगोल	65	52
आंध्र प्रदेश	9	राजमहेंद्रवरम	65	68
आंध्र प्रदेश	10	श्रीकाकुलम	70	75
आंध्र प्रदेश	11	विजयवाड़ा	99	67
आंध्र प्रदेश	12	विशाखापत्तनम	73	98
आंध्र प्रदेश	13	विजयनगरम	72	71
असम	14	गुवाहाटी	106	103
असम	15	नगांव	75	104
असम	16	नलबाड़ी	95	99
असम	17	सिलचर	49	45
असम	18	शिवसागर	81	47
बिहार	19	गया	77	98
बिहार	20	मुजफ्फरपुर	167	153
बिहार	21	पटना	156	145
चंडीगढ़	22	चंडीगढ़	109	97
छत्तीसगढ़	23	दुर्ग भिलाईनगर	97	58
छत्तीसगढ़	24	कोरबा	58	61
छत्तीसगढ़	25	रायपुर	103	61
दिल्ली	26	दिल्ली	241	196
गुजरात	27	अहमदाबाद	120	113
गुजरात	28	राजकोट	106	116
गुजरात	29	सूरत	106	100
गुजरात	30	वडोदरा	108	121

राज्य	क्र.सं.	शहर	पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), सीवाई; मैनुअल डेटा; 132 शहर (2017)	पीएम10 की औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), एफवाई; एकीकृत डेटा; 132 शहर (2021-2022)
हरियाण	31	फरीदाबाद		209
हिमाचल प्रदेश	32	बद्दी	173	132
हिमाचल प्रदेश	33	दमताल	62	64
हिमाचल प्रदेश	34	काला अंब	119	114
हिमाचल प्रदेश	35	नालागढ़	147	84
हिमाचल प्रदेश	36	पौटा साहिब	84	90
हिमाचल प्रदेश	37	परवाणु	65	35
हिमाचल प्रदेश	38	सुंदर नगर	73	47
जम्मू और कश्मीर	39	जम्मू	149	170
जम्मू और कश्मीर	40	श्रीनगर		105
झारखंड	41	धनबाद	238	235
झारखंड	42	जमशेदपुर	131	110
झारखंड	43	रांची	142	110
कर्नाटक	44	बैंगलोर	92	67
कर्नाटक	45	देवनागरे	87	57
कर्नाटक	46	गुलबर्गा/कालाबुर्गी	54	84
कर्नाटक	47	हुबली धारवाड़	79	69
मध्य प्रदेश	48	भोपाल	93	116
मध्य प्रदेश	49	देवास	75	81
मध्य प्रदेश	50	ग्वालियर	110	109
मध्य प्रदेश	51	इंदौर	80	103
मध्य प्रदेश	52	जबलपुर	74	115
मध्य प्रदेश	53	सागर	69	78
मध्य प्रदेश	54	उज्जैन	75	114
महाराष्ट्र	55	अकोला	127	64
महाराष्ट्र	56	अमरावती	106	66
महाराष्ट्र	57	औरंगाबाद	83	85
महाराष्ट्र	58	बदलापुर	159	94
महाराष्ट्र	59	चंद्रपुर	146	105

राज्य	क्र.सं.	शहर	पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), सीवाई; मैनुअल डेटा; 132 शहर (2017)	पीएम10 की औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), एफवाई; एकीकृत डेटा; 132 शहर (2021-2022)
महाराष्ट्र	60	जलगांव	77	59
महाराष्ट्र	61	जलना	101	93
महाराष्ट्र	62	कोल्हापुर	90	81
महाराष्ट्र	63	लातूर	81	57
महाराष्ट्र	64	मुंबई	151	106
महाराष्ट्र	65	नागपुर	102	68
महाराष्ट्र	66	नासिक	81	59
महाराष्ट्र	67	नवी मुंबई	105	97
महाराष्ट्र	68	पूणे	102	85
महाराष्ट्र	69	सांगली	76	60
महाराष्ट्र	70	सोलापुर	64	60
महाराष्ट्र	71	थाणे	125	130
महाराष्ट्र	72	उल्हासनगर	149	77
महाराष्ट्र	73	वसई विरार		171
मेघालय	74	बिरनिहाट	174	181
नगालैंड	75	दीमापुर	138	84
नगालैंड	76	कोहिमा	114	69
ओडिशा	77	अंगूल	94	97
ओडिशा	78	बालासोर	83	74
ओडिशा	79	भुवनेश्वर	91	95
ओडिशा	80	कटक	86	90
ओडिशा	81	कलिंग नगर	126	114
ओडिशा	82	राउरकेला	117	106
ओडिशा	83	तालचेर	96	81
पंजाब	84	अमृतसर	168	118
पंजाब	85	डेरा बाबा नानक	90	71
पंजाब	86	डेराबस्सी	93	98
पंजाब	87	जालंधर	223	129
पंजाब	88	खन्ना	139	106
पंजाब	89	लुधियाना	162	149
पंजाब	90	मंडीगोबिंदगढ़	136	123

राज्य	क्र.सं.	शहर	पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), सीवाई; मैनुअल डेटा; 132 शहर (2017)	पीएम10 की औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), एफवाई; एकीकृत डेटा; 132 शहर (2021-2022)
पंजाब	91	नया नंगल	90	70
पंजाब	92	पटियाला	101	109
राजस्थान	93	अलवर	134	111
राजस्थान	94	जयपुर	177	125
राजस्थान	95	जोधपुर	180	161
राजस्थान	96	कोटा	130	112
राजस्थान	97	उदयपुर	126	123
तमिलनाडु	98	चैन्नई	62	57
तमिलनाडु	99	मदुरै	67	53
तमिलनाडु	100	त्रिची	86	45
तमिलनाडु	101	तूतीकोरिन	132	91
तेलंगाना	102	हैदराबाद	108	88
तेलंगाना	103	नलगोंडा	60	70
तेलंगाना	104	पटेनचेरु	78	76
तेलंगाना	105	संगारेड्डी	79	83
उत्तर प्रदेश	106	आगरा	185	146
उत्तर प्रदेश	107	इलाहाबाद	140	119
उत्तर प्रदेश	108	अनपरा	153	154
उत्तर प्रदेश	109	बरेली	195	175
उत्तर प्रदेश	110	फिरोजाबाद	221	137
उत्तर प्रदेश	111	गजरौला	206	155
उत्तर प्रदेश	112	गाजियाबाद	280	217
उत्तर प्रदेश	113	गोरखपुर	186	122
उत्तर प्रदेश	114	झांसी	113	112
उत्तर प्रदेश	115	कानपुर	224	170
उत्तर प्रदेश	116	खुर्जा	208	173
उत्तर प्रदेश	117	लखनऊ	246	148
उत्तर प्रदेश	118	मेरठ	153	186
उत्तर प्रदेश	119	मुरादाबाद	217	154
उत्तर प्रदेश	120	नोएडा	216	203
उत्तर प्रदेश	121	रायबरेली	141	112



राज्य	क्र.सं.	शहर	पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), सीवाई; मैनुअल डेटा; 132 शहर (2017)	पीएम10 की औसत सांद्रता ( $\mu\text{g}/\text{m}^3$ ), एफवाई; एकीकृत डेटा; 132 शहर (2021-2022)
उत्तर प्रदेश	122	वाराणसी	244	114
उत्तराखंड	123	देहरादून	248	146
उत्तराखंड	124	काशीपुर	111	119
उत्तराखंड	125	ऋषिकेश	128	117
पश्चिम बंगाल	126	आसनसोल	163	113
पश्चिम बंगाल	127	बैरकपुर	90	85
पश्चिम बंगाल	128	दुर्गापुर	154	168
पश्चिम बंगाल	129	हल्दिया	97	94
पश्चिम बंगाल	130	हावड़ा	110	125
पश्चिम बंगाल	131	कोलकाता	119	105
पश्चिम बंगाल	132	रानीगंज	163	132

\*\*\*\*\*

### अनुबंध III

उन शहरों का ब्यौरा, जिनमें एनसीएपी के तहत तकनीकी सहायता हेतु अंतरराष्ट्रीय संगठन कार्यरत हैं:

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	शहर
1	महाराष्ट्र	मुंबई, पुणे, नासिक, नागपुर, नवी मुंबई, थाणे, उल्हास नगर, बदलापुर
2	बिहार	पटना, गया, मुज्जफरपुर
3	गुजरात	सुरत
4	पंजाब	अमृतसर
5	उत्तर प्रदेश	आगरा, लखनऊ, कानपुर
6	मध्य प्रदेश	इंदौर
7	दिल्ली और एनसीआर	दिल्ली, गुरुग्राम
8	कर्नाटक	बंगलौर